All India Federation of Astrologers' Societies (Regd.)

September- 2009

Jyotish Ratna- Paper 2

Time- 3 hrs. **MM: 100**

Questions No. 1 & 2 are compulsory and attempt any four from others.

प्रश्न 1 और 2 अनिवार्य हैं तथा अन्य में से कोई 4 प्रश्न हल करें।

Q.1. Fill in the blanks of following : निम्न रिक्त स्थानों की पूर्ति करें :

Answer Q.No. 1.

(i). According to permanent friendship, there is relation of **ENEMY** between Sun and Rahu but **FRIENDSHIP** relation between Sun and Moon.

नैसर्गिक मैत्री के अनुसार सूर्य और राहु के मध्य ....**शत्रु**.... संबंध है परंतु सूर्य और चंद्र के मध्य ...**मित्र**..... संबंध है।

(ii). If a planet is in **FRIENDSHIP** with a planet in permanent friendship and in the horoscope if this planet is in **2, 3, 4, 10, 11, 12** house from the same planet, then initiamate relation between them.

पंचधा मैत्री के अनुसार यदि कोई ग्रह नैसर्गिक मैत्री में ...**मित्र**.... हो और कुंडली में उस ग्रह से ....**2, 3, 4, 10, 11, 12**. .... भाव में हो तो उन दोनों के बीच अतिमित्र संबंध होगा।

(iii) **Moon** is exalted and mooltrikona sign if it occupies **Taurus** sign.

...**चंद्र**... ग्रह ऐसा ग्रह है जो ...**वृष**..... राशि में होने से उच्च और मूल त्रिकोण राशि में होता है।

(iv) **Saturn** is yogkarak for Taurus nad Libra and **Venus** is yogkarak for Capricorn and Aquarius.

वृष और तुला राशि के लिए योगकारक ग्रह .....**शनि**..... हैं और मकर एवं कुंभ राशि के लिए योगकारक ग्रह ......**शुक्र**..... हैं।

(v) For Aries ascendant **Mercury** is akarak and for Aquarius ascendant **Mercury** is akarak.

मेष लग्न के लिए अकारक ग्रह ......**बुध**..... होता है एवं कुंभ लग्न के लिए अकारक ग्रह ......**बुध**...... होता है।

Jyotish Ratna -2

Q.2. Select the correct alternative and write its number in answer book

सही विकल्प का चुनाव करके उत्तर संख्या उत्तर पुस्तिका में लिखें।

(a) Trishadaya bhavas are - त्रिषडाय भाव कहलाते हैं –

(i) 1, 4, 7, 10
(ii) 3, 6, 8, 11, 12
(iii) 3, 6, 11
(iv) 3, 8

Answer Q.No. 2. (a). (iii) 3,6,11

(b) For Jupiter's signs the Badhaka planet is -गुरु राशि के लग्नों के लिए बाधक ग्रह होता है –

(i) Jupiter (गुरु)
(ii) Mercury (बुध)
(iii) Venus (शुक्र)
(iv) Saturn (शनि)

Answer Q.No. 2. (b). (ii) Mercury (बुध)

(c) The native of Gemini ascendant is -
मिथुन राशि का जातक –

(i) Intelligent (बुद्धिमान होता है)
(ii) Eloquent (वाकपटु होता है)
(iii) Confused (संशय की स्थिति में होता है)
(iv) All above (उपर्युक्त सभी स्थिति में होता है।)

Answer Q.No. 2. (c). (iv) All above (उपर्युक्त सभी स्थिति में होता है।)

(d) For the planet sun below mentioned gem and metal should be worn -
सूर्य ग्रह के लिए निम्न रत्न एवं धातु धारण करना चाहिए –

(i) Pearl and silver (मोती और चांदी)
(ii) Yellow sapphire and gold (पुखराज और सोना)
(iii) Ruby and silver (माणिक और चांदी)
(iv) Ruby and gold (माणिक और सोना)

Answer Q.No. 2. (d). (iv) Ruby and Gold (माणिक और सोना)

(e) For love relation, children and intelligence following houses should be considered -
प्रेम संबंध, संतान एवं बुद्धिबल के विचार के लिए निम्न भाव देखना चाहिए–

(i) 4th house (चौथा भाव)
(ii) 7th house (सप्तम भाव)
(iii) 9th house (नवम भाव)
(iv) 5th house (पंचम भाव)

Answer Q.No. 2. (e). (iv) 5th house (पंचम भाव)

Q.3(A) What is considered from Trikona Bhawas? Write in brief for all these bhawas. **10**

(B) Write the characteristics of Cancer, Scorpio and Pisces. **10**

Answer Q.No. 3. (A) Trikona Bhavas

1, 5, 9 are the trikona bhavas. These are also called Lakshmi sthan.

1st House - 1st house represents the soul of the Kaalpurush. It denotes the appearance, physical characteristics, personality, character, body, health and fame, success and reputation, dignity of the native. Its significator is the Sun. It denotes the general well being of the native. Parts of body - face, head, brain, nose.

5th House - It represents Progeny, children, education, speculation, brother's wife, love affairs, past life. Parts of body represented are stomach, liver, skin, upper abdomen. Its significator is Jupiter. It is also known as panpher, Dharma bhava. It also shows gambling and extra-marital affairs.

9th House - This house represents luck, fortune, religion, spiritual growth and initiation, legacy, inheritance, further higher education, after life. It also represents the father. Pats of body represented by this house are thighs. It denotes the religious bent of mind off the native. This house is also called Apoklima and Dharma Bhava. Significators for this house are Jupiter.

3 (B) Cancer Cancer sign is ruled by Moon
Physical Features - Corpulent body, rolling gait, broad front teeth, round face, fair complexion, round eyes, curly hair, well formed upper body, prominent chest.

General Characteristics - Sensitive, kind, sympathetic, generous, moody temperament. Moon rules the mind, dreams and sleep. Cancer is watery sign and has kaph element. The nature can be indecisive, moody, irritable, double minded. Highly intuitive, interest in occult subjects, fond of travelling.

Parts of the Body - Heart, lungs, breasts.
Diseases - Heart problems, T.B., bronchitis, asthma, epilepsy, cysts, hysteria etc.
Products - Pearl, rice, salt, silver, mercury, oceans etc.
Professions - Navy, Water department, Psychologist, Psychiatrist, Merchants, Traders etc.
Places - Oceans, hills, forests, water bodies, rivers, lakes.
Gems / Metals - Pearl, Silver, tin, nickel, white metals.

Scorpio
Physical Features - Tall, slender, curly hair, round shoulders.
General Characteristics - Ruled by Mars, intelligent, bossy, rely too much on own intelligence, shrewd, secreting, notorious, famous for secret crimes, do not interfere in other's matters, sharp eyes, interest in occult sciences, not very talkative, give true opinions.
Parts of Body - Reproductive systems.
Diseases - Infectious diseases, syphilis, venereal diseases, cysts, problem in ovaries, uterus.
Profession - Occultists, defence, police, professors, detective.
Products -Guns, knives, sword
Places - Battlefield

Pisces Ruled by Jupiter
Physical Features - Fine skin, glow on the face, curly hair, medium height, slender hands, fair complexion.

General Characteristics - Intelligent, introvert, like a fish slip away quickly, good advisors, do not speak much, inclined into deep meditation and concentration, good spiritual growth, generous, orthodox, sympathetic, religious, kind hearted. Not very good conversationalists.

Parts of Body - Feet, left eye.
Diseases - sprains, sciatica, eye problem, infections in eyes.
Profession - Teacher, professor, finance.
Products -Yellow flowers, fruits, sweets, fat products like ghee, butter, oil, umbrella.
Places - Schools, colleges, education institutions, pompous and government buildings.
Gems/Metals - Yellow sapphire, gold, topaz.

Q.3(A)त्रिकोण भावों से हम क्या देखते हैं? प्रत्येक भाव के लिए अलग–अलग संक्षिप्त में वर्णन करें।

(B) कर्क, वृश्चिक एवं मीन राशि के गुण व धर्मों का वर्णन करें।

उत्तर 3

(A) त्रिकोण भाव : 1, 5, 9 त्रिकोण भाव है। ये लक्ष्मी स्थान भी कहलाते हैं।

पहला भाव : प्रथम भाव कालपुरूष की आत्मा का प्रतिनिधित्व करती है। देह, काया, शरीर रचना, व्यक्तित्व, चेहरा, स्वास्थ्य, चरित्र, स्वभाव, बुद्धि, आयुष्य, सौभाग्य, सम्मान, प्रतिष्ठा, समृद्धि।

पंचम भाव : पंचम भाव में हम संतान, पूर्व जन्म, माध्यमिक शिक्षा, बुद्धि आदि के बारे में विचार करते हैं। पंचम भाव में जितने ग्रह होंगे, जातक की उतनी ही संतान होगी। गुरु यदि पंचम भाव में हो तो संतान नहीं होती। पंचम भाव में यदि गुरु हो तो व्यक्ति के घर में कोई व्यक्ति बहुत बुद्धिमान तथा प्रकांड ज्ञाता होता है। पंचमेश और लग्नेश का योग हो तो व्यक्ति के जीवन में प्रेम संबंध होते हैं। पंचम भाव में यदि शुक्र, शनि या केतु स्थित हो तो पहली संतान लड़की होगी। पंचम भाव यदि सूर्य हो तो एक नर संतान होगी।

नवम भाव : नवम भाव से जातक के सौभाग्य, धर्म, व्यवहार, चरित्र, दादा–दादी, उसकी यात्राएं, ईश्वर के प्रति आस्था, स्वप्न, उच्च शिक्षा, पत्नी के छोटे भाई और उसकी पत्नी तथा धार्मिक यात्राओं तथा अध्यात्मिक उन्नति के बारे में विचार किया जाता है। नवम भाव से पिता की आयु के बारे में जाना जाता है। नवम भाव में यदि सूर्य हो तो पिता गुस्सैल होंगे और यदि नवम भाव में गुरु हो तो पिता गुस्सैल होंगे और यदि नवम भाव में गुरु हो तो पिता आस्थावान, सुशील और चरित्रवान होंगे। नवमेश और चतुर्थेश का योग हो तो व्यक्ति भाग्यवान और सुखी होता है। नवमेश और दशमेश के योग से व्यक्ति भाग्य सुख और राज सुख भोगता है।

(B) कर्क राशि : कर्क राशि वाले जातक का छोटा बौना कद होता है, चौड़े दांत, पीला तथा फीका रंग होता है। बाल्यकाल में दुबला, पतला शरीर तथा सीधे नहीं चलते हैं।

अन्य गुण : कर्क राशि वाले व्यक्ति नकल उतारने में माहिर होते हैं। ऐसे व्यक्ति आमतौर पर अच्छे अभिनेता पाए जाते हैं। ऐसे जातकों का मूड बदलता रहता है। कर्क राशि वाले जातक वातावरण के अनुसार अपने आप को जल्दी ढाल लेते हैं। ऐसे जातक अच्छे वक्ता, लेखक, सलाहकार होते हैं। ऐसे व्यक्ति गुस्सैल परंतु धैर्यवान होते हैं। भरोसेमंद नहीं होते, परंतु न्यायप्रिय होते हैं। वातूनी, आत्मनिर्भर तथा ईमानदार और किसी से न डरने और न झुकने वाले होते हैं। अपने परिवार से विशेष लगाव रखते हैं। अच्छे जीवन साथी साबित होते हैं। परंतु महिलाओं के चक्कर में रहते हैं तथा यहां वहां भटकते रहते हैं। कर्क राशि वालों को प्रायः फेफड़ों, स्नायु तंत्र, अफारा, संक्रमण, पीलीया, खांसी, अजीर्ण आदि बिमारियां होती रहती है। कर्क राशि स्त्री राशि है। ऐसे जातक प्रायः सौम्य प्रकृति वाले तेज चलने वाले तथा धन के शौकीन होते हैं।

वृश्चिक राशि : वृश्चिक राशि वाले जातकों का सुडोल शरीर, मध्यम कद, उन्नत ढोडी, सांवला रंग तथा चौड़ा चेहरा और घुंघराले बाल होते हैं।

अन्य गुण : स्पष्ट बोलने वाले, उत्तम व्यवहार, दूसरों के मामले में दखल न देने वाले, जब तक किसी बात से आसक्त न हो तो सहमत नहीं होते। ऐसे जातक निडर तथा अपने में ही खुश रहने वाले होते हैं। वृश्चिक राशि वाले जातक सेना अथवा प्रशासनिक सेवाओं में होते हैं। सामाजिक आन्दोलन आदि में सक्रिय होते हैं। गुप्त रूप से अपराध करने में सक्षम तथा अपनी बात मनवाने वाले होते हैं। अपने बल पर तथा परिश्रम से धनार्जन करते हैं। अकेले रहकर कार्य करते हैं। खुले मैदानों में होने वाले खेलों के शौकीन होते हैं। नृत्य संगीत आदि में रूचि होती है। कामवासना अधिक होती है तथा अपने साथी को पशु की तरह प्रयोग करते हैं। गुप्त रोग या पित्त आदि से पीड़ित होते हैं तथा 62 से 71 वर्ष की आयु में ऑपरेशन आदि करवाना पड़ता है। 29 से 45 वर्ष की आयु में सौभाग्यशाली रहते हैं। स्त्री राशि है तथा बाल अवस्था में बिमार होते हैं एवं क्रूर स्वभाव वाले होते हैं।

मीन राशि : कद छोटा, रंग गोरा, ढोडी में गढ्ढा, बाल मुलायम, चौड़े कंधे, चेहरा कांतियुक्त, सुंदर और आकर्षक आंखें होती है।

अन्य गुण : आकृति अच्छी नहीं होती है। कल्पनाशील तथा रोमांटिक होते हैं कभी गुस्सैल तो कभी शांत होते हैं। सहानुभूतिपूर्ण, सहनशील, भरोसेमंद तथा दयालु होते हैं। स्वयं की योग्यता को पहचानते हैं। परंपरावादी, धार्मिक, पक्के ईश्वर भक्त होते हैं। दूसरों की मदद करने वाले होते हैं। अकेले रहने वाले होते हैं। महत्वकांक्षाओं की कमी रहती है। दो व्यवसाय साथ–साथ कर सकते हैं। नए कार्य में भी शीघ्र दक्ष हो जाते हैं। अच्छे कर्मचारी साबित होते हैं। उदर रोग, घुटनों तथा पैरों में चोट की संभावना अधिक रहती है। द्रव पदार्थों के व्यापार में सफल होते हैं तथा आयात–निर्यात में भी लाभ कमाते हैं। प्रायः दो विवाह करते हैं। जीवन साथी का प्रबल प्रभाव रहता है। व्यावसायिक जीवन आनंदमय रहता है। 27 से 43 वर्ष की आयु में संपन्नता रहती है। 44 से 60 वर्ष कष्टप्रद होते हैं। 61 से 69 वर्ष भाग्यशाली होते हैं। यह भी स्त्री राशि है।

Q.4 For the given Horoscope, draw a Five Fold friendship Chart, stage by stage, first depicting the Natural friendship, Temporary Friendship and then finally the five fold friendship. **20**

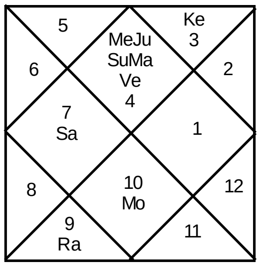

Answer Q.No. 4. Natural Friendship

Planets	Friends Planet	Naturals Planet	Enemies Planet
Sun	Moon, Mars,Jupiter	Mercury	Venus, Saturn, Rahu, Ketu
Moon	Sun, Mercury	Ma, Ju, Ve, Sa	Rahu, Ketu
Mars	Sun, Moon,Jupiter, Ketu	Venus, Saturn	Me, Ra
Mercury	Sun, Venus	Ma, Ju, Sa, Ra, Ke	Mo
Jupiter	Sun, Moon, Mars	Saturn, Rahu, Ketu	Mercury, Venus
Venus	Mercury, Saturn, Rahu, Ketu	Mars, Jupiter	Sun, Moon
Saturn	Mercury, Venus, Rahu	Jupiter	Sun, Moon, Mars, Ketu
Rahu	Venus,Saturn	Jupiter, Mercury	Sun, Moon, Mars, Ketu
Ketu	Mars, Venus	Mercury, Jupiter	Saturn, Rahu, Sun, Moon

Planets	Temporary Friends	Temporary Enemies
Sun	Saturn, Ketu	Moon, Mars, Mer., Jup., Ven., Rahu
Moon	Rahu, Saturn	Sun, Mars, Mer, Jup, Ven, Ketu
Mars	Ketu, Saturn	Sun, Moon, Mer, Jup, Ven, Rahu
Mercury	Saturn, Ketu	Sun, Moon, Mars, Jup, Ven, Rahu
Jupiter	Saturn, Ketu	Sun, Moon, Mars, Mer, Ven, Rahu
Venus	Saturn, Ketu	Sun, Moon, Mars, Mer, Jup., Rahu
Saturn	Sun, Moon, Mars, Mer, Jup., Ven, Rahu	Ketu
Rahu	Moon, Saturn	Sun, Mars, Mer, Jup., Venus, Ketu
Ketu	Sun, Mars, Mercury, Jupiter, Venus	Saturn, Moon, Rahu

Five Fold Friendship

The 5 fold friendships can be seen in following table :

	Sun	Mon	Mar	Mer	Jup	Ven	Sat	Rah	Ket
Su	-	N	N	E	N	BE	N	BE	N
Mo	N	-	E	N	E	E	F	N	BE
Ma	N	N	-	BE	N	E	F	BE	IF
Me	N	BE	E	-	E	N	F	E	F
Ju	N	N	N	BE	-	BE	F	F	IF
Ve	BE	BE	E	N	E	-	IF	N	IF
Sa	N	N	N	F	F	IF	-	IF	BE
Ra	BE	N	BE	E	E	N	IF	-	BE
Ke	N	BE	IF	F	F	IF	BE	BE	-

IF - Intimate Friend, F- Friend, E- Enemy, N- Neutral, BF- Best Friend, BE- Bitter Enemy

Q.5 Give the names of yogas which are formed by Moon in a horoscope and discuss how they are formed and what would be their impact. Describe with example. **20**

Answer Q.No. 5.

Vasi Yoga

This yoga is formed when planet other than Moon occupies 12^{th} position from Sun. The native born in the yoga is happy, prosperous, liberal and favorite of govt.

Vesi Yoga

This yoga is formed when planet other than Moon occupies 2^{nd} position from Sun. The native born in the yoga will be fortunate, happy, virtuous, famous and aristocratic.

Obhaya Chari Yoga

This yoga is formed when planets other than Moon are present on either side of Sun. The native born in this yoga shall be eloquent speaker having well proportioned limbs. He will be liked by others, prosperous and famous.

Sunapha Yoga

This yoga is formed when planet other than Sun is posited in 2^{nd} position from Moon. Native will be intelligent, wealthy, having self earned property. He will enjoy good reputation.

Anapha Yoga

This yoga is formed when a planet other than Sun is posited in 12^{th} position from Moon. The Native will have well – formed organs, majestic appearance, polite, generous. He will be enjoying good reputation and will be successful in politics.

Dhurdhura Yoga

This yoga is formed when planets other then Sun are posited on either side of Moon. Native will be blessed with wealth and enjoy good conveyances.

Kemadruma Yoga

This yoga is formed when there are no planets on either side of moon. The native will be dirty, sorrowful, interested in unrighteous deeds, poor, dependent, rogue and swindler.

Gaja Kesari Yoga

This yoga is formed when Jupiter is in quadrant from Moon. Native born in the yoga with have many relations, will be polite and generous and will be builder of village or town. He will be prosperous, renowned and will have reputation long lasting even after death.

Q.5 चंद्रमा से बनने वाले योगों के नाम बताएं एवं ये कैसे बनते हैं और जातक पर इसका प्रभाव क्या होगा? उदाहरण सहित विस्तृत वर्णन करें।

उत्तर 5.

चन्द्रमा से बनने वाले योग

1. सुनफा योग

सूर्य को छोड़कर यदि कोई अन्य ग्रह चन्द्रमा से दूसरे भाव में स्थित हो तो सुनफा योग बनता है।

जातक को राजा के समान सम्मान प्राप्त होता है। अपनी बौद्धिक क्षमता के कारण सम्मानित धनी तथा प्रतिष्ठित होगा। वह स्थार्जित धन का स्वामी होता है।

2. अनफा योग

सूर्य को छोड़कर यदि कोई अन्य ग्रह चन्द्रमा से द्वादश भाव में स्थित हो तो यह योग बनता है।

जातक राजा के समान सम्मान प्राप्त करेगा, रोग मुक्त, सदाचारी, सुखी होगा।

3. दुरधरा योग

सूर्य को छोड़कर यदि कोई अन्य ग्रह चन्द्रमा से द्वितीय तथा द्वादश भावों में स्थित हो तो यह योग बनता है।

इस योग वाला जातक सब सुखों से सम्पन्न, सुखों को भोगने वाला और आज्ञाकारी होता है। वह धनी होता है और उसे सेवक, वाहन आदि का सुख प्राप्त होता है।

4. केमद्रुम योग

कोई अन्य ग्रह चन्द्रमा से प्रथम, द्वितीय या बारहवें भाव में या लग्न से केन्द्र में कोई ग्रह न होतो केमद्रुम योग होता है। यह अशुभ योग होता है।

इसमें जातक दरिद्र, बुद्धिहीन, विपत्तियों व दुःखों से पीड़ित होता है। यदि यह योग जन्म कुण्डली में हो तो अन्य शुभ योग नष्ट हो जाते हैं।

5. गजकेसरी योग

1. यदि बृहस्पति चन्द्रमा से केन्द्र में (1,4,7,10) स्थित हो

2. यदि बुध या शुक्र की चन्द्रमा के साथ युति या दृष्टि हो। (पाराशर)

तो गजकेसरी योग बनता है। इसमें उत्पन्न जातक महान् कार्य करने वाला सभा में कुशलपूर्वक बोलने वाला होता है।

इसमें चन्द्रमा में बल होना आवश्यक है। अन्य ग्रह भी बलवान होने चाहिये। कुछ विद्वान ज्योतिषी बृहस्पति को लग्न से भी केन्द्र में स्थित होने पर गजकेसरी योग मानते हैं।

6. चन्द्राधियोग

यदि चन्द्रमा से छठे, सातवें या आठवें भावों में शुभ ग्रह हों तो चन्द्राधियोग बनता है। जो जातक इस योग में उत्पन्न होता है, और सेना का अध्यक्ष, दीघार्य, रोगों से मुक्त, राजा या मन्त्री बनता है। यह ग्रहों के बल पर निर्भर करता है।

Q.6 (A) Specify the Karaka and yoga karka planets for all the twelve ascendants of twelve signs. **10**

(B) Describe in detail that what is studied from 5th, 7th and 9th house. **10**

Answer Q.No. 6. (A)

	Signs	Yog Karak	Karaka (Kalpurush Kundli)
1	Aries	Sun	Sun
2	Taurus	Saturn	Jupiter
3	Gemini	Mercury	Mars, Mercury
4	Cancer	Mars	Moon, Mars, Venus
5	Leo	Mars	Jupiter
6	Virgo	Mercury	Saturn
7	Libra	Saturn	Venus, Jupiter
8	Scorpio	Moon	Saturn
9	Saggitarius	Jupiter	Jupiter, Sun
10	Capricorn	Venus	Sun, Saturn, Jupiter, Mercury
11	Aquarius	Venus	Jupiter
12	Pisces	Jupiter	Saturn

6 (B)

5th House- 5th house is called also the Lakshmi Sthan. It denotes progeny, education, gambling, speculation, wifes younger brother, brother's wife. This house also denotes stomach, spleen, upper abdomen, liver. This house is also called Trikona, Panpher. This house is also called the Dharma Bhava because it is 9th from the 9th house. This also shows extra - marital, love affairs, past life.

7th House - 7th house is also called Vishnu sthan. The Sanyoga of Vishnu and Lakshmi sthan causes Raj yoga. This house denotes the spouse, nature of spouse, married life. This house also represents business partner, sexual life, enjoyment, pleasures, social life. it also represents hidden treasures. This house is a part of Kendra or angular houses. it is also called Marak house because it is 12th from the 8th house. 8th house is the house of longevity. Hence destroyer of longevity because of being 12th from 8th. This is also called the kama bhava because it represents the spouse and married life. This also represents success, fame and profession of the father. Parts of the body represented by this house are external sexual organs, bladder, kidneys, rectum, reproductive system, ovaries, uterus. It is called the kalatra bhava. Significator - Venus for men and Jupiter for women.

9th House -This house is also called the Lakhmi sthan and forms the trikona houses. It represents luck, fortune, religion, spiritual initiation, after life. Houses 1-8 represent the physical world. Beyond 8 represents the spiritual growth. It is the house of inheritance, further education, higher education. It also represents wifes younger brother. It is also a significator of father. The significators for this house are Jupiter for luck and spirituality and Sun for father. This house shows whether the native is an atheist and which god does he worship. Parts of body represented by this house are thighs and corresponding diseases are sciatics and lower back pain. This house is also called Apoklima. It is also called the Dharma Bhava as it denotes the religious but of mind of the native.

प्रश्न 6 (B) पंचम, सप्तम और नवम भाव से किन तथ्यों पर विचार किया जाता है। विस्तृत जानकारी दें।

उत्तर 6 (B)

पंचम भाव :

संतान, बुद्धि, प्रसिद्धि, श्रेणी, उदर, प्रेम संबंध, सुख, मनोरंजन, सट्टा, पूर्व जन्म, आत्मा, जीवन स्तर, पद, प्रतिष्ठा, कलात्मकता, हृदय, पीठ, खेलों में निपुणता, प्रतियोगिता में सफलता।

सप्तम भाव :

पति/पत्नी का व्यक्तित्व, जीवन साथी के साथ रिश्ता, इच्छाएं, काम शक्ति, साझेदारी, प्रत्यक्ष शत्रु, मुआवजा, यात्रा, कानून, जीवन के लिए खतरा, विदेशों में प्रभाव और प्रतिष्ठा, अपने और जनता के साथ रिश्ते, यौन रोग, मूत्र रोग।

नवम भाव :

सौभाग्य, धर्म, चरित्र, दादा–दादी, लंबी यात्राएं, पोता, बुजुर्गों व देवताओं के प्रति श्रद्धा व भक्ति, आध्यात्मिक उन्नति, स्वप्न, उच्च शिक्षा, पत्नी का छोटा भाई, भाई की पत्नी, तीर्थ यात्रा, दर्शन, आत्माओं से संपर्क।

Q.7 Calculate Tithi, Nakshatra, Yoga and Karan for 25th September 2009 at 5.30 A.M. **20**

Answer Q.No. 7.

Tithi 25 September, 2009 5:30AM

$$\text{Tithi} = \frac{\text{Degree of Moon - Degree of Sun}}{12}$$

$$= \frac{7^{S}\ 24°\ 46'\ 33'' - 5^{S}\ 08°\ 04'\ 17''}{12}$$

$$= \frac{2^{S}\ 16°\ 42'\ 16''}{12} = \frac{76°\ 42'\ 16''}{12} = 6.3$$

Shashthi complete Saptami tithi running

Nakshatra

$$\text{Degree of Moon} = \frac{7^{S}\ 24°\ 46'\ 33''}{800'} = \frac{14086'}{800'} = 17.6$$

17th Nakshatra Complete 18th Nakshatra running i.e. Jyeshtha- 2

Yoga

$$\text{Yoga} = \frac{\text{Degree of Sun + Degree of Moon}}{800'}$$

$$= \frac{5^{S}\ 08°\ 04'\ 17'' + 7^{S}\ 24°\ 46'\ 33''}{800'}$$

$$= \frac{1^{S}\ 02°\ 50'\ 50''}{800'} = \frac{1970'}{800'} = 2.4$$

2nd Yoga complete 3rd yoga running i.e. Ayushman.

Karana

$$\text{Karana} = \frac{\text{Degree of Moon - Degree of Sun}}{6}$$

$$= \frac{7^{S}\ 24°\ 46'\ 33'' - 5^{S}\ 08°\ 04'\ 17''}{6}$$

$$= \frac{2^{S}\ 16°\ 42'\ 16''}{6} = \frac{76°42'16''}{6} = 12\text{-}7 = 5$$

5th karana i.e. Gara